

NCERT SOLUTIONS

CLASS - 9th



aglasem.com

Class : 9th

Subject : इतिहास

Chapter : 1

Chapter Name : फ्राँसीसी क्रांति

Q1 फ्रांस में क्रांति की शुरुआत किन परिस्थितियों में हुई?

Answer. 1774 में लुइ 16वें ने राजगद्दी संभाली। उस समय फ्रांस 3 एस्टेट्स में बटा हुआ था। तृतीय एस्टेट के लोगों ने निम्नलिखित कारणों से तंग आकर 1789 में फ्राँसीसी क्रांति कर दी-

1. अत्यधिक कर- उस समय फ्रांस में तृतीय एस्टेट के लोगों से तरह-तरह के कर लिए जाते थे जिसके चलते उनके लिए दो जून की रोटी कमाना भी मुश्किल हो गया था ।
2. अमेरिकी युद्ध में हस्तक्षेप- फ्रांस ने ब्रिटेन के खिलाफ युद्ध में अमेरिका का साथ दिया जिसके चलते फ्रांस पर सेना की जरूरतें पूरी करने का भार पड़ गया तथा इससे फ्रांस पर अरबों रुपए का कर्ज चढ़ गया ।
3. कम वेतन- फ्रांस में जिस दर पर जनसंख्या बढ़ रही थी उसके मुकाबले खाद्य आपूर्ति कम थी। परिणाम स्वरूप पाव और रोटी की कीमतें बढ़ गई तथा बेहद कम वेतन होने के कारण गरीब लोग खाना नहीं खा पा रहे थे । महिलाओं को वेतन पुरुषों से और कम था इसलिए उन्हें अधिक परेशानी का सामना करना पड़ा।
4. उभरता मध्यवर्ग- तृतीय एस्टेट के जिन लोगों ने शिक्षा प्राप्त करें उन्हें यह लगने लगा कि कुलीन और पादरियों की सामाजिक हैसियत जन्मजात थी। शिक्षित मध्य वर्ग को यह अच्छा नहीं लगा। उन्होंने यह कहना प्रारंभ किया कि सामाजिक हैसियत योग्यता के आधार पर तय होनी चाहिए ना की जन्म के आधार पर ।
5. विचारकों का योगदान- उस समय के कुछ दार्शनिक हो जैसे कि जॉन लॉक और रूसो ने स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे की बात की। इनके विचारों की चर्चा समूचे फ्रांस में होने लगी जिसने क्रांति को एक वैचारिक आधार प्रदान किया।

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि उपरोक्त कारणों के चलते परेशान जनता ने क्रांति का सहारा लिया जो आगे चलकर फ्रांस में गणतंत्र की स्थापना का कारण बनी।

Page : 24 , Block Name : प्रश्न (long answer question)

Q2 फ्रांसीसी समाज के किन तबकों को क्रांति का फायदा मिला? कौन से समूह सत्ता छोड़ने के लिए मजबूर हो गए? क्रांति के नतीजों से समाज के किन समूह को निराशा हुई होगी?

Answer. 1789 की फ्रांसीसी क्रांति के बाद वहां संविधान का निर्माण हुआ तथा संवैधानिक राजतंत्र की स्थापना हुई। इस संविधान ने अनेक प्रकार के अधिकारों की बात की जिसका सबसे ज्यादा फायदा तृतीय एस्टेट के उन लोगों को मिला जिसमें अमीर और गरीब दोनों शामिल थे यथा व्यवसायी, वकील, किसान, महिला कारीगर, मजदूर इत्यादि। आबादी के बड़े हिस्से को प्रधान का अधिकार मिला। इसका लाभ यह था कि अब आम जनता न्यायपालिका और व्यवस्थापिका में अपने पसंद के प्रतिनिधि भेज सकती थी। हालांकि कुछ लोग अभी में मतदान के अधिकार से वंचित थे जिनमें कम कर देने वाले लोग तथा महिलाएं शामिल थी।

इस नई व्यवस्था की स्थापना के बाद फ्रांस में प्राचीन राजतंत्र की व्यवस्था समाप्त हो गई जिसके अंतर्गत कुलीन और पादरी वर्ग के लोग सत्ता छोड़ने के लिए विवश हो गए।

इस बात में कोई अतिशयोक्ति नहीं की संविधान में सभी नागरिकों के समान अधिकारों की बात करी थी परंतु फिर भी तृतीय एस्टेट के अंदर ही गरीब नागरिक और महिलाएं सरकार की व्यवस्था से अप्रसन्न थे। अत्यधिक क्रांतिकारी गतिविधियों के चलते परिस्थितियां फिर से वैसे ही हो रही थी जैसी प्राचीन राजतंत्र के समय थी। अत्यधिक कर के परिणामस्वरूप लोग रोटी नहीं खरीद पा रहे थे। महिलाओं की दशा खराब थी, अभी भी विद्यालयों में शिक्षा के लिए दाखिला नहीं लिख सकती थी। जो महिलाएं व्यवसाय करती थी उन्हें पुरुषों की तुलना में वेतन कम ही दिया जाता था।

अतः हम कह सकते हैं कि क्रांति की समाप्ति के बाद जिस तरह की फ्रांस की कल्पना की गई थी उसमें और सुधार की आवश्यकता थी जो समय के साथ पूरी हुई।

Page : 24 , Block Name : प्रश्न (long answer question)

Q3 19वीं और 20वीं सदी की दुनिया के लिए फ्रांसीसी क्रांति कौन सी विरासत छोड़ गई?

Answer. इतिहास में 1789 की फ्रांसीसी क्रांति एक विशेष स्थान रखती है। इस क्रांति ने संपूर्ण विश्व में एक वैचारिक पुनर्जागरण का प्रचार किया। फ्रांस की क्रांति ने यूरोप में अन्य राजशाही तंत्रों के पतन के लिए आमजन को हिम्मत प्रदान की जिसकी परिणति यूरोप के अन्य देशों में भी गणतंत्र की स्थापना में देखने को मिलती है। फ्रांस की क्रांति ने अनेक विषयों पर उस समय ध्यान आकर्षित किया था जो आज के समय में भी उतनी ही ज्वलंत हैं। इस क्रांति ने वर्ग भेद, महिला सशक्तिकरण, स्वतंत्रता, उदारता, भाईचारे, एकता और संविधान जैसे विषयों पर संपूर्ण विश्व का ध्यान आकर्षित किया।

फ्रांसीसी क्रांति ने अनेक उपनिवेशों को आजादी दिलाने में भी मदद की, सामंतवादी विचारधारा के अंत की शुरुआत इसी क्रांति ने करी।

अमेरिका और भारत जैसे विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के संविधानों पर भी 1789 की क्रांति का गहरा प्रभाव देखने को मिलता है। इस प्रकार यह कहना सही होगा कि फ्रांसीसी क्रांति उन्नीसवीं और बीसवीं सदी के लिए अनेक विरासतें छोड़ गई।

Page : 24 , Block Name : प्रश्न (long answer question)

Q4 उन जनवादी अधिकारों की सूची बनाएं जो आज हमें मिले हुए हैं और जिन का उद्गम फ्रांसीसी क्रांति में है।

Answer. आज के युग में जिन सामान्य से दिखने वाले अधिकारों की हम चर्चा करते हैं उनका उद्गम फ्रांसीसी क्रांति से ही है। इनमें से कुछ महत्वपूर्ण इस प्रकार हैं-

1. स्वतंत्रता का अधिकार- स्वतंत्रता मनुष्य का नैसर्गिक अधिकार है। किसी भी तरह का अंकुश मनुष्य के विकास को रोकता है।
2. समानता का अधिकार- राज्य का कानून और संविधान सभी के लिए एक समान होता है। गरीब, अमीर, जवान, वृद्ध सभी कानून की दृष्टि में एक समान होते हैं।
3. धर्मनिरपेक्षता का अधिकार- सभी धर्मों के प्रति समान आदर भाव एक खुशहाल समाज की नितांत आवश्यकता है। सभी व्यक्तियों को अपना धर्म पालन करने का अधिकार है।
4. अभिव्यक्ति का अधिकार- एक सभ्य समाज में सभी को बोलने, लिखने, दिखाने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। फ्रांस ने 18वीं सदी के उत्तरार्ध में ही सेंसरशिप समाप्त की थी, जबकि अंग्रेज भारत में अखबारों पर भी पाबंदी रखते थे।
5. मतदान का अधिकार- सभी नागरिकों, विशेषकर महिलाओं के लिए मताधिकार समाज में सभी की राजनीतिक भागीदारी को दर्शाता है।

अतः हम कह सकते हैं कि इन सभी महत्वपूर्ण जनवादी अधिकारों का उद्गम फ्रांसीसी क्रांति से ही है।

Page : 24 , Block Name : प्रश्न (long answer question)

Q5 क्या आप इस तर्क से सहमत हैं कि सार्वभौमिक अधिकारों की संदेश में नाना अंतर्विरोध थे?

Answer. यह सत्य है कि राजशाही के अंत के बाद फ्रांस की संवैधानिक राजतंत्र व्यवस्था ने नागरिकों को अनेक अधिकार दिए, परंतु उनमें निम्नलिखित अंतर्विरोध भी थे-

- समानता की बात करते हुए भी फ्रांस में सभी नागरिकों को मतदान का अधिकार नहीं दिया था। लगभग 30 लाख पुरुषों, महिलाओं, बच्चों और 25 वर्ष से कम उम्र के पुरुष जो 3 दिन की मजदूरी के बराबर कर नहीं चुका सकते थे उन्हें 'निष्क्रिय नागरिक' माना गया व मताधिकार से वंचित रखा।
- महिलाओं की दशा खराब ही थी। उन्हें समान वेतन नहीं मिलता था, अधिकतर के पास पढ़ाई लिखाई, व्यवसाय के अवसर नहीं थे। गरीब महिलाओं की दशा और भी दयनीय थी। हालांकि सामाजिक व आर्थिक अधिकार कुछ समय के बाद ही दिए गए थे परंतु राजनीतिक अधिकारों के लिए संघर्ष जारी रहा।
- संविधान में केवल पुरुष व नागरिक अधिकार घोषणा पत्र ही था। कुछ साल बाद ओलंप दे गूज़ नामक महिला ने महिला व नागरिक अधिकार घोषणा पत्र बनाया, परंतु इस पर उन्हें देशद्रोही बता कर फांसी दे दी गई।
- जैकोबिनों ने महिलाओं को पुरुषों के समान कभी नहीं माना। अतः यह समानता के अधिकार का अंतर्विरोध ही था।
- उपरोक्त सभी अंतर विरोधियों के बावजूद भी उस समय का फ्रांस का संविधान काफी आधुनिक माना जा सकता है जिसने समय रहते इन सभी अंतर्विरोध को दूर कर दिया था।

Page : 24 , Block Name : प्रश्न (long answer question)

Q6 नेपोलियन के उदय को कैसे समझा जा सकता है?

Answer. क्रांति के बाद अनेक प्रकार की सरकारें फ्रांस में बनीं। जैकोबिन सरकार के पतन के बाद मध्यम वर्ग ने सत्ता संभाली। विधान परिषदों में 5 सदस्यों वाली एक डिरेक्ट्री नामक कार्यपालिका बनाई गई। डिरेक्ट्री का हमेशा विधान परिषद से विवाद रहता था। इसके चलते राजनीतिक अस्थिरता जन्मी जिसने नेपोलियन बोनापार्ट के उदय का मार्ग प्रशस्त किया।

1804 में फ्रांस का सम्राट बनने के बाद नेपोलियन ने साम्राज्य प्रसार की नीति अपनाई। नेपोलियन एक तानाशाह था। उसने अपने करीबी रिश्तेदारों को सत्ता से जुड़े महत्वपूर्ण पद दे दिए।

प्रारंभ में नेपोलियन की जीत फ्रांस में सराही जाती रही, पर कुछ समय बाद उसकी नीतियों का असर साफ हो गया। नेपोलियन ने युद्ध का सहारा लिया जिससे पूरे यूरोप में प्रतिशोध पनपने लग गया था। नेपोलियन ने यूरोप को आधुनिक बनाने का प्रयत्न किया पर वह उन विचारों की विपरीत हुआ जिसके लिए फ्रांसीसी क्रांति याद की जाती है।

Page : 24 , Block Name : प्रश्न (long answer question)

aglasem.com